Hindi Murli Quiz 23-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) ब्रह्मा के वर्तमान (2015 के) स्वरूप को हम इनमें से कौन-सा रूप कह सकते हैं ??

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

- A. [x] अव्यक्त
- B. [ ] साकारी
- C. [x] फ़रिश्ता
- D. [x] आकारी
- E. [ ] श्री कृष्ण
- F. [ ] निराकारी

Q.2) हम सब ब्राह्मण _____ इस ज्ञान को धारण कर पुरुषार्थ करते हैं |

- A. (•) सूर्यवंशी बनने
- B. ( ) साक्षात्कार करने
- C. ( ) इस जन्म के दुःख-दर्द दूर करने
- D. ( ) घर वापिस जाने

Explanation: बोलो नर से नारायण बनना-यह है हमारा उद्देश्य ।

Q.3) इनमें से कौन-सा वाक्य सही हैं ?? और क्यों ???

(अपना जवाब सोच कर यहाँ दिए उत्तर से मिलाना)

- A. ( ) भक्ति का फल हमें संगमयुग में मिलता हैं |
- B. (•) भक्ति का फल हमें संगमयुग और सतयुग दोनों युग में मिलता हैं |
- C. ( ) भक्ति का फल हमें सतयुग में मिलता हैं |

Explanation: आज की मुरली में भगवानुवाच्य- अब बाप आये हैं भक्ति का फल देने । बाप ने सतयुग में फल दिया था ।

Q.4) ज्ञान की गुह्य दृष्टि से हमारे यज्ञ को इसमें से क्या कहना सबसे उचित हैं ??

- A. ( ) विद्यालय
- B. ( ) विश्व विद्यालय
- C. (•) परिवार
- D. ( ) विश्व विद्यालय
- E. ( ) संस्था

Explanation: यह तो परिवार है । माँ, बाप और बच्चे बैठे हैं । दुनिया के लिए बाकी सब अलग-अलग नाम रखने पड़ते हैं !!!

Q.5) ज्ञान की दृष्टि से ज़मीन में से लाखों वर्ष पुरानी हड्डियाँ मिलना सत्य हैं या असत्य ??

इसके पीछे तर्क कौन-सा हैं ?

- A. ( ) False / ये वाक्य गलत है
- B. (•) True / ये वाक्य सही है

Explanation: 5000 वर्ष पहले भी तो यही हड्डियाँ मिली होगी, तो लाखों कैसे हो सकती हैं ???

Q.6) ग्लानि करने वाले को गुणमाला पहनाना अर्थात् उनको जन्म-जन्म के लिए _____ निश्चित कर देना है ।

- A. ( ) महादानी
- B. ( ) सम्बन्धी
- C. ( ) साथी
- D. (•) भक्त

Q.7) बाप कहते हैं कि -

सत्य वाक्यों पर निशान लगायें और गलत वाक्यों को ऐसे ही छोड़ दें |

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. ☐ शास्त्र पढ़ना, तीर्थ आदि करना - यह सब भगवान से मिलने के रास्ते हैं ।

B. ☑ अभी साहूकारों के लिए स्वर्ग है गरीब बिचारे नर्क में है ।

C. ☑ मुझे भगवान तो कहते हैं परन्तु जानते कोई भी नहीं हैं ।

D. ☐ मैं परमात्मा किसी बंधन में बंध नहीं सकता |

E. ☑ सर्वव्यापी, कच्छ-मच्छ में परमात्मा कहना यह परमात्मा की ग्लानि करना हैं ।

F. ☑ तुम देवी-देवताओं की ग्लानि करते तब मैं आता हूँ ।

Explanation: बाप भी ड्रामा के बंधन में बंधा हुआ हैं ।

Q.8) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice	Match
A	हे भगवान आओ, आप	आयेंगे तो हम आपसे बहुत सुख पायेंगे ।
B	मीठे बच्चे -	बाप आया है तुम बच्चों को स्वच्छ बुद्धि बनाने..
C	वह बहुत निरहंकारी बन	पतित दुनिया, पतित तन में आते हैं ।
D	हर कल्प में बाप को अपने बच्चों के पास आना दुःखी बच्चों को सुखी बनाते	इस बंधन से बाप भी नहीं छूट सकता है ।
E	बाप इस समय तुम्हें स्वर्ग का मालिक बनाते	तुम फिर द्वापर में उनके लिए सोने का मन्दिर बनाते हो ।

Q.9) बाप कहते हैं ये ब्रह्मा हैं नम्बरवन पतित इसलिए मैं इनमें आता हूँ ।

A. ○ False / ये वाक्य गलत है

B. ◉ True / ये वाक्य सही है

Q.10) इनमें से पुरुषोत्तम किस-किसको कहा जा सकता हैं ??

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. ☐ शंकर को

B. ☑ संगमयुग को

C. ☐ परमात्मा को

D. ☑ देवताओं को

E. ☐ ब्राह्मणों को

Explanation: ब्राह्मण-परमात्मा-शंकर को पुरुषोत्तम नहीं कहा जा सकता |